बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम्  दिनांक -20 - 02 -2021

विषय -हिन्दी  विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज कारक के बारे में अध्ययन करेंगे।

कारक, कारक चिह्न, परसर्ग समझने के लिए निम्नलिखित तालिका देखें।

1. कर्ता - आयुष ने पुस्तक पढ़ी।।
2. कर्म - ओजस्व ने आयुष को पुस्तक दी।
3. करण - माँ चाकू से सब्जी काटती है।
4. संप्रदान - मनोज ने ओजस्व के लिए खिलौने लाए।
5. अपादान - पेड़ से फल गिर रहे हैं।
6. अपादान - यह घर अंशु का है।
   नेहा के पिता लेखक हैं।
   विनोद की बहन अच्छा नाचती है।
7. अधिकरण - पतीले में दूध रखा है। रस्सी पर कपड़े सूख रहे हैं।
8. संबोधन - हे ईश्वर ! मेरा काम पूरा कर देना ।
   अरे! उधर तेज़ धार में मत जाना।

विशेष ध्यान देने की बात

1. कारक लगने पर संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण तीनों का रूप बदल जाता है।
   जैसे–वह लड़का (मूल रूप)
   उस लड़के ने (कारक लगने पर)
2. करण कारक तथा अपादान कारण में से परसर्ग प्रयुक्त होता है, परंतु दोनों ही में 'से' का प्रयोग अलग अर्थ देता है।
   जैसे- मैं कलम से लिखती हूँ (करण कारक)
   गंगा हिमालय से निकलती है। (अपादान कारक)

**बहुविकल्पी प्रश्न**

1. कारक कहलाते हैं

(i) संज्ञा को क्रिया से जोड़ने वाला शब्द

(ii) सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले शब्द

(iii) संज्ञा या सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिहन

(iv) इनमें से कोई नहीं

2. कारक के भेद होते हैं

(i) दो

(ii) चार

(iii) छह

(iv) आठ